UNIVERSITY NEWS 13 AUGUST 2026

AMRIT VICHAR

विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए आज जारी होगा सीट आवंटन परिणाम

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में परास्नातक प्रवेश सत्र 2026-27 के तहत तीन पाठ्यक्रमों की ऑनलाइन काउंसलिंग के अंतर्गत उपलब्ध सीटों के सापेक्ष प्रथम सीट आवंटन परिणाम आज जारी किया जाएगा। विश्वविद्यालय की ओर से जारी सूचना के अनुसार फोरेंसिक विज्ञान, एमकॉम और एमकॉम अप्लाइड अर्थशास्त्र पाठ्यक्रमों में मेरिट के आधार पर सीटों का आवंटन किया गया है। अभ्यर्थी अपने लॉगिन आईडी की सहायता से 13 अगस्त को सुबह 10 बजे के बाद अपना सीट आवंटन देख सकेंगे। विश्वविद्यालय ने अभ्यर्थियों को निर्देश दिया है कि सीट आवंटन देखने के बाद निर्धारित प्रक्रिया के तहत ऑनलाइन शुल्क 14 अगस्त की रात 12 बजे तक अनिवार्य रूप से जमा कर दें। विश्वविद्यालय की परास्नातक प्रवेश परीक्षा (सत्र 2026-27) के अंतर्गत एमए हिंदी और पत्रकारिता और मॉस कम्युनिकेशन पाठ्यक्रम का रिजल्ट जारी कर दिया गया है, अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपना रिजल्ट देख सकते हैं।

AMRIT VICHAR

रसोई के कचरे और गोबर से बनेगी नवीकरणीय ऊर्जा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: घरों की रसोई से निकले कचरे (किचन वेस्ट) और पशुओं का गोबर ऊर्जा का स्रोत बन सकता है। लखनऊ विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग के प्रो. प्रदीप कुमार की सहभागिता वाले शोध में किचन वेस्ट और गोबर से बायोगैस व मीथेन उत्पादन की संभावना सामने आई है। दोनों अपशिष्टों को एक साथ इस्तेमाल करने पर एक अपशिष्ट की तुलना में बेहतर परिणाम मिले हैं। ये शोध एनईआरआईएसटी, अरुणाचल प्रदेश और अन्य सहयोगी संस्थानों के वैज्ञानिकों के साथ मिलकर किया गया है।

शोध के दौरान रसोई कचरे के साथ गोबर मिलाकर अवायवीय पाचन प्रक्रिया से गुजारा गया। इसमें ऑक्सीजन की अनुपस्थिति में सूक्ष्मजीवों की मदद से जैविक पदार्थों का अपघटन कराया गया। अध्ययन में रसोई कचरे और गोबर को 1:1 अनुपात में मिलाने पर मीथेन की अधिकतम सांद्रता 68.4 फीसदी दर्ज की गई। इससे संकेत मिला कि दोनों तरह के जैविक अपशिष्टों का संतुलित मिश्रण गैस उत्पादन के लिए अधिक प्रभावी हो सकता है।

शोध का मूल उद्देश्य जैविक कचरे के बेहतर प्रबंधन के साथ उससे उपयोगी ऊर्जा हासिल करने की संभावना तलाशना है। रसोई कचरा और गोबर दोनों ग्रामीण क्षेत्रों में आसानी से उपलब्ध हैं। ऐसे में छोटे स्तर के जैवगैस संयंत्रों के जरिए इनका इस्तेमाल किया जा सकता है।

इससे एक ओर कचरे के खुले में निस्तारण की समस्या घट सकती है, वहीं दूसरी ओर खाना पकाने या अन्य स्थानीय जरूरतों के लिए ऊर्जा का विकल्प तैयार हो सकता है। शोधकर्ताओं के अनुसार, इस तकनीक को बड़े स्तर पर लागू करने से पहले पायलट स्तर और लंबे समय तक अध्ययन की जरूरत होगी। प्रक्रिया की स्थिरता और दक्षता को बेहतर समझने के लिए वाष्पशील वसीय अम्ल, क्षारीयता, अमोनिया नाइट्रोजन, घुलनशील सीओडी और वाष्पशील ठोस पदार्थों में कमी जैसे मानकों की भी निगरानी आवश्यक होगी।

छठे से 12वें दिन अधिक उत्पादन

- प्रो. प्रदीप के अनुसार अवायवीय पाचन प्रक्रिया के दौरान सामान्यत: छठे से 12वें दिन के बीच बायोगैस का उत्पादन अधिक रहा। इस दौरान रसोई कचरे में मौजूद आसानी से विघटित होने वाले कार्बनिक पदार्थों का सक्रिय रूप से अपघटन हुआ। इससे गैस बनने की प्रक्रिया तेज हुई। अध्ययन में यह भी देखा गया कि पूरी प्रक्रिया के दौरान रिएक्टर के भीतर की रासायनिक परिस्थितियां स्थिर नहीं रहीं।

प्रो. प्रदीप कुमार।

प्राकृतिक तापमान में हुआ प्रयोग

- अध्ययन की एक खास बात यह रही कि प्रयोगों को करीब 22 से 24 डिग्री सेल्सियस के प्राकृतिक परिवेशीय तापमान में किया गया। यानी इसके लिए लगातार नियंत्रित और कृत्रिम तापमान बनाए रखने पर निर्भरता नहीं रही। पाचन के दौरान पीएच स्तर में भी बदलाव दर्ज हुआ। शुरुआत में पीएच थोड़ा क्षारीय रहा, इसके बाद अम्लीय चरण आया और फिर यह दोबारा उदासीन से हल्के क्षारीय स्तर तक पहुंच गया। शोधकर्ताओं ने इसे विभिन्न सूक्ष्मजीवों की सक्रियता से जुड़ा महत्वपूर्ण संकेत माना।

ग्रामीण भारत के लिए उपयोगी हो सकती है तकनीक

- भारत के ग्रामीण इलाकों में पशुपालन और घरेलू गतिविधियों से बड़ी मात्रा में गोबर और जैविक कचरा निकलता है। यदि इन्हीं स्थानीय संसाधनों को वैज्ञानिक तरीके से जैवगैस उत्पादन में लगाया जाए तो यह कचरा प्रबंधन और स्वच्छ ऊर्जा, दोनों क्षेत्रों में मददगार साबित हो सकता है। प्रो. प्रदीप और सहयोगी वैज्ञानिकों का यह अध्ययन इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

NBT

'छात्रों के साथ टीचर्स को भी लाएंगे लाइब्रेरी'

■NBT रिपोर्ट, लखनऊ: विश्वविद्यालय में लाइब्रेरी महज किताबों का संग्रह नहीं बल्कि बल्कि ज्ञान का एक केंद्र है। विवि की लाइब्रेरी में छात्रों को सभी अधुनिक सुविधाएं दी जाएंगी ताकि छात्र लाइब्रेरी में आकर पढ़ें। डिजिटलाइजेशन के युग में छात्र लाइब्रेरी से कट रहे हैं इसलिए उन्हें फिर से पुस्तकालय से जोड़ने की जरूरत है। इसके लिए विश्वविद्यालय में अब छात्रों के साथ ही टीचरों को भी लाइब्रेरी तक लाया जाएगा। यह बात एलयू के टैगोर लाइब्रेरी की ऑनरेरी लाइब्रेरियन प्रो रोली मिश्रा ने कही।

लखनऊ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस पर हुआ कार्यक्रम

राष्ट्रीय पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस के अवसर पर बुधवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के टैगोर पुस्तकालय कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें डीन प्रो. अरविंद मोहन ने कहा कि बदलते समय के साथ पुस्तकालयों की प्रकृति और भूमिका भी लगातार विकसित हो रही है।

DAINIK JAGRAN

युवा संसद में वन नेशन, वन इलेक्शन पर जोरदार बहस

जासं • लखनऊ : डा. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) में बुधवार को अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर जनभवन की पीएसओ टीम, लखनऊ विश्वविद्यालय एवं भाषा विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इस दौरान नाट्य मंचन, गीत गायन, कविता पाठ, भाषण, नुक्कड़ नाटक एवं युवा संसद के जरिए सामाजिक संदेश दिया।

लवि के छात्रों ने युवा संसद में प्रतिभाग किया। सदन में पक्ष और विपक्ष के रूप में छात्रों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण सहित विभिन्न नेताओं की भूमिका में वन नेशन, वन इलेक्शन प्रस्ताव पर जोरदार बहस की। गृह मंत्री के रूप में छात्र ने वन नेशन, वन इलेक्शन से होने वाले फायदे बताते कहा कि इससे देश पर पड़ने वाला भारी भरकम आर्थिक बोझ बेहद कम हो जाएगा। वहीं, विपक्षी ने प्रस्ताव का विरोध करते हुए कहा कि सरकार इस प्रस्ताव के जरिये मुद्दों से जनता का ध्यान हटाना चाहती है। भाजपा सांसद कंगना रनौत की भूमिका में छात्रा ने प्रस्ताव के पक्ष में कहा कि यह कदम देश की विकास का नया अध्याय लिखेगा। विपक्ष हर अच्छे काम को बाधित करता है। उनके इतना कहते ही विपक्षी सांसदों ने जमकर शोर-शराबा किया। सदन की गरिमा बनाये रखने की संसद के अध्यक्ष को बार-बार अपील करनी पड़ी। जनभवन के पीएसओ की टीम ने प्रेमचंद के नाटक कप्तान साहब का मंचन किया।

AMRIT VICHAR

युवा संसद में वन नेशन, वन इलेक्शन पर जोरदार बहस

विपक्ष के हंगामे के बीच संपन्न हुआ प्रधानमंत्री का भाषण, लविवि, भाषा विश्वविद्यालय और एकेटीयू के छात्रों ने की जोरदार बहस

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर युवा संसद का आयोजन किया गया। इसमें लखनऊ विश्वविद्यालय, ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय और एकेटीयू के छात्रों ने प्रतिभाग किया। सदन में वन नेशन, वन इलेक्शन के प्रस्ताव पर युवा सांसदों ने जोरदार बहस की। गृहमंत्री के रूप में प्रस्ताव के फायदे गिनाते हुए कहा गया कि एक देश-एक चुनाव से देश पर पड़ने वाला भारी-भरकम आर्थिक बोझ काफी कम हो जाएगा।

इस बीच विपक्षी सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने प्रस्ताव का विरोध करते हुए कहा कि अब लोकतंत्र की कीमत रुपये में तय की जाएगी। सरकार इस प्रस्ताव के जरिये मुद्दों से जनता का ध्यान हटाना चाहती है। संघीय ढांचे पर वार किया जा रहा है। भाजपा सांसद कंगना रनौत ने प्रस्ताव के पक्ष में भाषण देते हुए कहा कि यह कदम देश के विकास का नया अध्याय लिखेगा। विपक्ष हर अच्छे काम को बाधित करता है। उनके इतना कहते ही विपक्षी सांसदों ने जमकर शोर-शराबा किया। सदन की गरिमा बनाए रखने के लिए संसद अध्यक्ष को बार-बार अपील करनी पड़ी।

इसी तरह शशि थरूर, अखिलेश यादव और राहुल गांधी ने भी प्रस्ताव के विरोध में सरकार की जमकर घेरेबंदी की। वहीं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि वन नेशन, वन इलेक्शन से देश विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर होगा। अंत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हमें बदलाव को स्वीकार करना होगा। वन नेशन, वन इलेक्शन आज देश की जरूरत है। हमें इसके साथ देश को तरक्की के रास्ते पर ले जाना होगा। उनके भाषण के दौरान भी विपक्षी सांसद नारेबाजी करते रहे।

कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुति देते विद्यार्थी। • अमृत विचार

युवा संसद में प्रतिभाग करते छात्र-छात्राएं। • अमृत विचार

- एकेटीयू में अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस पर आयोजित हुए विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम
- जनभवन की टीम ने किया कप्तान साहब का मंचन

'हालात अलग, हौसला एक' नाटक का भी हुआ मंचन

- जनभवन के पीएसओ की टीम ने मुंशी प्रेमचंद के नाटक 'कप्तान साहब' का ज्ञानेंद्र त्रिपाठी के निर्देशन में शानदार मंचन किया। नाटक के जरिये एक युवा और उसकी परिस्थितियों, संघर्ष तथा कर्तव्य को बखूबी दिखाया गया। इसके बाद ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के छात्रों ने 'हालात अलग, हौसला एक' नाटक का मंचन किया। अंत में सांस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रतिभाग करने वाले सभी सदस्यों को पुरस्कृत किया गया।

AMAR UJALA

विश्वविद्यालय की आत्मा है पुस्तकालय : प्रो. अरविंद

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के टैगोर पुस्तकालय में बुधवार को राष्ट्रीय पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस मनाया गया। भारत में पुस्तकालय विज्ञान के जनक पद्मश्री डॉ. एसआर रंगनाथन की 134वीं जयंती के उपलक्ष्य में यह आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि प्रो. अरविंद मोहन ने कहा कि पुस्तकालय विश्वविद्यालय की आत्मा है। प्रो. मोहन ने ज्ञान के सृजन और प्रसार में विश्वविद्यालयों तथा पुस्तकालयों के महत्व को रेखांकित किया। प्रो. रोली मिश्रा ने आधुनिक सुविधाएं देकर विद्यार्थियों को पुस्तकालयों से जोड़ने की बात कही। उन्होंने कहा कि डॉ. रंगनाथन के आदर्श आज भी प्रेरित करते हैं। प्रो. ध्रुव सेन सिंह ने पुस्तकों के माध्यम से ज्ञान के स्थायित्व पर प्रकाश डाला। (संवाद)

AMAR UJALA

बीए, एमकॉम की सीटों का आवंटन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने बीए एनईपी पाठ्यक्रम की ऑनलाइन काउंसिलिंग के तहत हुए तीसरे अलॉटमेंट का परिणाम बुधवार को अभ्यर्थियों के लॉगिन पर जारी कर दिया। अभ्यर्थी अप्लीकेशन फॉर्म नंबर की सहायता से सीट आवंटन बृहस्पतिवार सुबह 10 बजे के बाद देखकर सीट कंफर्मेशन फीस शुक्रवार रात 12 बजे तक ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। परास्नातक प्रवेश सत्र 2026-27 के तहत एमकॉम कॉमर्स, एमकॉम अप्लाइड इकनॉमिक्स और फॉरेंसिक साइंस की सीटों का आवंटन मेरिट के आधार पर जारी किया। अभ्यर्थी लॉगइन आईडी की सहायता से सीट आवंटन देखकर सीट कंफर्मेशन फीस शुक्रवार रात 12 बजे तक ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। एमए हिंदी और एमजेएमसी का रिजल्ट जारी कर दिया गया है। (संवाद)

AMAR UJALA

रसोई के कचरे और गोबर से बनाई जाएगी सस्ती ऊर्जा

लखनऊ यूनिवर्सिटी में वनस्पति विभाग के प्रोफेसर प्रदीप कुमार का अध्ययन

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग के प्रोफेसर प्रदीप कुमार और उनकी टीम ने रसोई के जैविक कचरे और पशुओं के गोबर से सस्ती स्वच्छ ऊर्जा बनाने का आसान तरीका खोजा है। अरुणाचल प्रदेश के नॉर्थ ईस्टर्न रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (एनईआरआईएसटी) समेत अन्य संस्थानों के वैज्ञानिकों के साथ किए गए इस शोध से ग्रामीण क्षेत्रों में बायोगैस उत्पादन की नई राह खुली है।

अध्ययन में सामने आया कि रसोई के कचरे और गोबर को 1:1 अनुपात में मिलाकर अवायवीय पाचन कराने पर गैस का उत्पादन बढ़ जाता है।

इस मिश्रण से अधिकतम 68.4 फीसदी मीथेन प्राप्त हुई। गैस का सर्वाधिक उत्पादन प्रक्रिया के छठे से 12वें दिन के बीच दर्ज किया गया।

- **सामान्य तापमान पर मिली सफलता :** शोध की खास बात यह रही कि प्रयोग 22 से 24 डिग्री सेल्सियस के सामान्य तापमान में किया गया। इसके लिए किसी महंगे लैब कंट्रोल की जरूरत नहीं पड़ी। जीवाणुओं की सक्रियता से जैविक कचरे का अपघटन हुआ और लगातार बायोगैस का उत्पादन होता रहा।
- **गांवों के लिए उपयोगी :** ग्रामीण क्षेत्रों में रसोई का जैविक कचरा और पशुओं का गोबर आसानी से उपलब्ध होता है। इस तकनीक से कचरे का बेहतर निस्तारण होने के साथ खाना पकाने और बिजली उत्पादन के लिए स्थानीय स्तर पर स्वच्छ ऊर्जा मिल सकेगी।

> भविष्य में इसे बड़े स्तर पर लागू करने के लिए और परीक्षण किए जाएंगे, ताकि गांव-गांव तक इस तकनीक का लाभ पहुंचाया जा सके।
> -प्रो. प्रदीप कुमार

HINDUSTAN

रसोई कचरे-गोबर से बनेगी ऊर्जा, शोध में मिली संभावना

- एलयू के प्रो. प्रदीप कुमार के शोध में आया सामने
- दोनों अपशिष्टों से मिला बेहतर गैस उत्पादन

लखनऊ, संवाददाता। घरों की रसोई से निकलने वाला कचरा और पशुओं का गोबर अब बोझ नहीं, बल्कि ऊर्जा का स्रोत बन सकता है। एलयू के वनस्पति विज्ञान विभाग के प्रोफेसर प्रदीप कुमार की सहभागिता वाले एक सहयोगात्मक शोध में रसोई कचरे और गोबर से जैवगैस तथा मीथेन उत्पादन की प्रभावी संभावना सामने आई है। शोध में दोनों अपशिष्टों को एक साथ इस्तेमाल करने पर अकेले किसी एक अपशिष्ट की तुलना में बेहतर परिणाम मिले। अध्ययन एनईआरआईएसटी, अरुणाचल प्रदेश और अन्य सहयोगी संस्थानों के वैज्ञानिकों के साथ मिलकर किया गया।

कचरे और गोबर को अवायवीय पाचन से गुजारा गया। ऑक्सीजन की अनुपस्थिति में सूक्ष्मजीवों की मदद से जैविक पदार्थों का अपघटन कराया। अध्ययन में रसोई कचरे और गोबर को मिलाने पर मीथेन की अधिकतम सांद्रता 68.4 फीसदी दर्ज की गई।

HINDUSTAN

युवा संसद में वन नेशन, वन इलेक्शन पर जोरदार बहस

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता। एकेटीयू में बुधवार को अन्तर्राष्ट्रीय युवा दिवसपर जनभवन की पीएसओ टीम, लखनऊ विश्वविद्यालय एवं भाषा विश्वविद्यालय के छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। इस दौरान नाट्य मंचन, गीत गायन, कविता पाठ, भाषण, नुक्कड़ नाटक एवं युवा संसद के जरिये सामाजिक संदेश दिया।

कार्यक्रम के दौरान लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्रों ने युवा संसद में प्रतिभाग किया। सदन में पक्ष और विपक्ष के रूप में छात्रों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, गृहमंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, नेता प्रतिप्रक्ष राहुल गांधी, सांसद अखिलेश यादव, प्रियंका गांधी वाड्रा, शशि थरूर, कंगना रनौत, रवि किशन की भूमिका में वन नेशन, वन इलेक्शन प्रस्ताव पर जोरदार बहस की। छात्र ने गृहमंत्री के रूप में वन नेशन, वन इलेक्शन से होने वाले फायदे गिनाये।

कहा कि एक चुनाव से देश पर पड़ने वाला भारी, भरकम आर्थिक बोझ बेहद कम हो जाएगा। जिसका उपयोग देश के विकास में किया जा सकेगा। हर साल चुनावों में रहने वाले देश को इससे मुक्ति मिलेगी। संसाधनों का बेहतर उपयोग किया जा सकेगा।

इस बीच विपक्षी सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने प्रस्ताव का विरोध करते हुए कहा कि अब लोकतंत्र की कीमत रूपये में तय की जाएगी। सरकार इस प्रस्ताव के जरिये मुद्दों से जनता का ध्यान हटाना चाहती है। संघीय ढांचे पर वार किया जा रहा है। भाजपा सांसद कंगना रनौत ने प्रस्ताव के पक्ष में भाषण देते हुए कहा कि यह कदम देश की विकास का नया अध्याय लिखेगा।

प्रस्ताव के विरोध में जमकर घेरेबंदी की

सदन की गरिमा बनाये रखने की संसद के अध्यक्ष को बार-बार अपील करनी पड़ी। इसी तरह शशि थरूर, अखिलेश यादव, राहुल गांधी बने छात्रों ने भी प्रस्ताव के विरोध में जमकर सरकार की घेरेबंदी की। जबकि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि वन नेशन, वन इलेक्शन से देश विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर होगा। अंत में प्रधानमंत्री बने छात्र ने भाषण दिया। कहा कि हमें बदलाव को स्वीकार करना होगा। वन नेशन, वन इलेक्शन आज देश की जरूरत है।

मंचन से मोहा मन

जन भवन के पीएसओ की टीम ने मंशी प्रेमचंद्र के नाटक कप्तान साहब का ज्ञानेंद्र त्रिपाठी के निर्देशन में मंचन किया। नाटक के जरिये एक युवा और उसकी परिस्थितियों, संघर्ष और कर्तव्य को बखूबी दिखाया।

एलयू में आज जारी होगा सीट आवंटन परिणाम

लखनऊ विश्वविद्यालय मे परास्नातक प्रवेश सत्र 2026-27 के तहत तीन पाठ्यक्रमों की ऑनलाइन काउंसलिंग के अंतर्गत उपलब्ध सीटों के सापेक्ष प्रथम सीट आवंटन परिणाम गुरुवार को जारी किया जाएगा। विश्वविद्यालय की ओर से जारी सूचना के अनुसार, फोरेंसिक विज्ञान, एमकॉम और एमकॉम अप्लाइड अर्थशास्त्र पाठ्यक्रमो मे मेरिट के आधार पर सीटों का आवंटन किया गया है। अभ्यर्थी अपने लॉगिन आईडी की सहायता से बुधवार को सुबह 10 बजे के बाद अपना सीट आवंटन देख सकेंगे। अभ्यर्थियो को निर्देश दिया है कि सीट आवंटन देखने के बाद ऑनलाइन शुल्क 14 अगस्त की रात 12 बजे तक जमा कर दे।